



जीवाश्म खोजने वाली लड़की

मैरी ऐनिंग ने की डायनासोर की खोज

कैथरीन, हिंदी : विदूषक

जीवाश्म खोजने वाली लड़की

मैरी ऐनिंग ने की डायनासोर की खोज



1810 का साल था. इंग्लैंड के डोरसेट में लाइम रेगिस नाम का एक गाँव था. मैरी और जो ऐनिंग अपनी दुकान में बेंचने के लिए कुछ अनूठी चीज़ें खोजने निकले थे. पिता की मृत्यु के बाद वे दोनों दुकान चलाने में अपनी माँ की मदद करते थे.

जो ज़रा
इसे आकर
देखो!

अभी
आता हूँ.

बहुत
बड़ा है!

यह कम-से-कम
पांच शिलिंग में
बिकेगा! माँ बहुत
खुश होगी.

माँ, देखो हम
क्या ढूँढकर
लाए हैं!

जल्दी
करो!
तूफान
आ रहा
है!

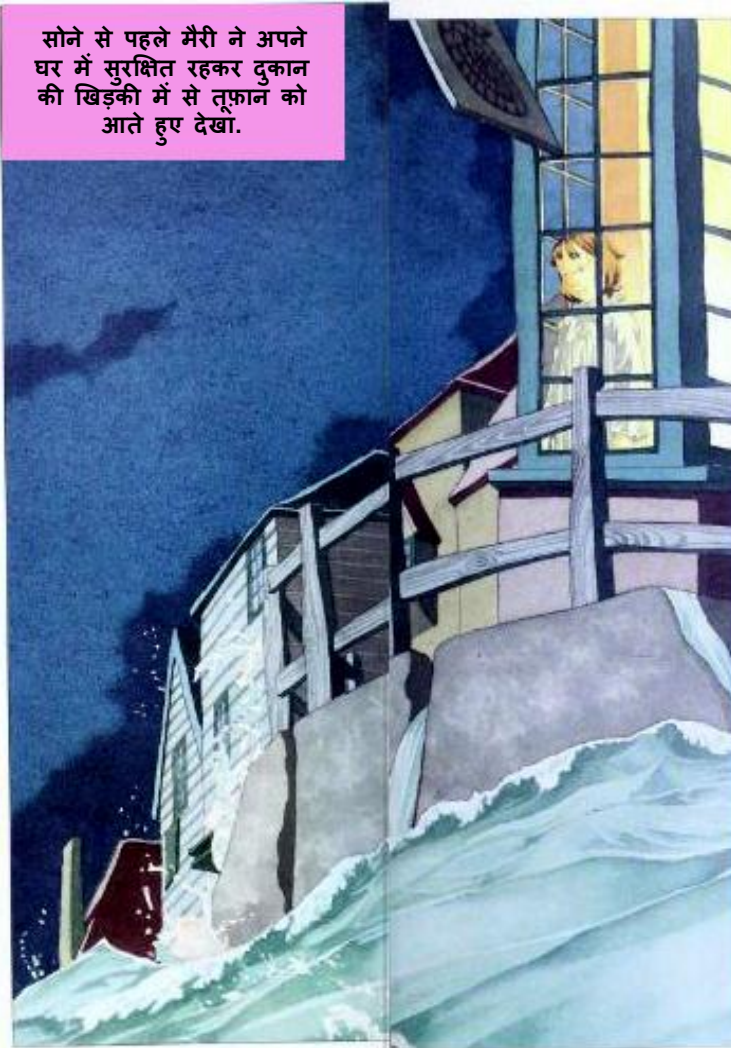
घर में ...

ज़रूर. तुम
अपने हाथ
से इसका
लेबल लिखो.

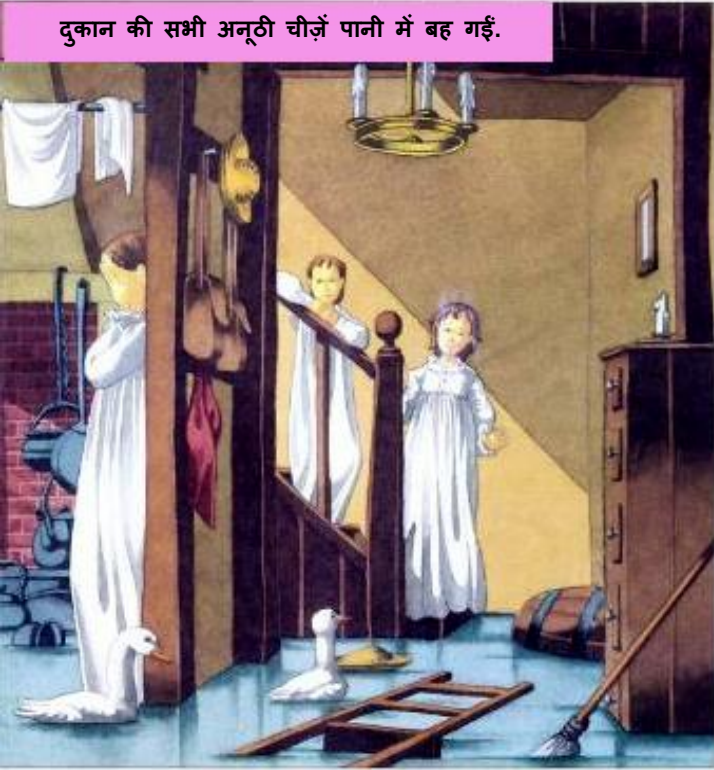
माँ, क्या
इसके लिए
हमें 5-शिलिंग
मिलेंगे?

सोने से पहले मैरी ने अपने
घर में सुरक्षित रहकर दुकान
की खिड़की में से तूफ़ान को
आते हुए देखा.

फिर अचानक मध्य रात को एक बड़ी लहर
दुकान की खिड़की से आकर टकराई. उससे
ऐनिंग का पूरा घर पानी से भर गया.

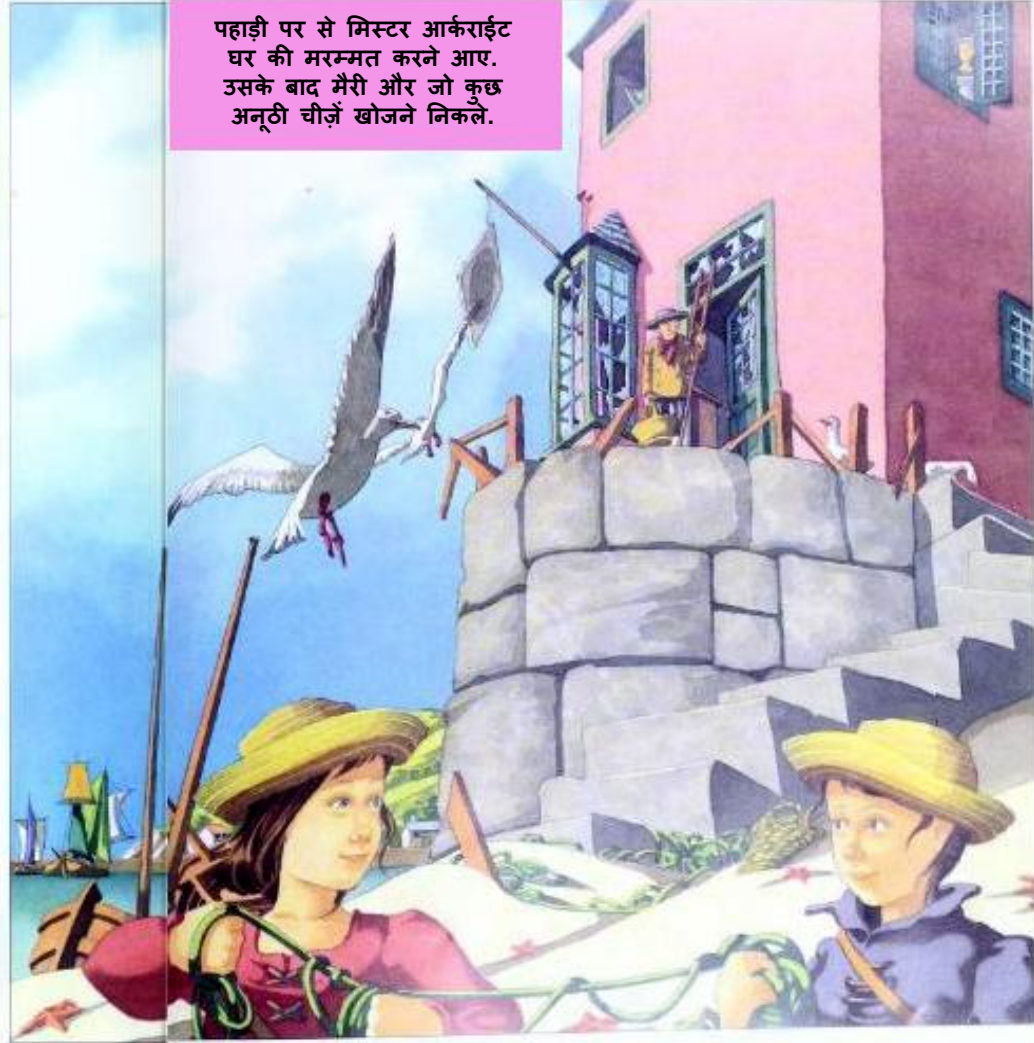


दुकान की सभी अनूठी चीज़ें पानी में बह गईं.



माँ, तुम फ़िक्क
मत करो. मैं
और जो कल
जाकर कुछ
अन्य नायाब
चीज़ें खोज कर
लायेंगे.

पहाड़ी पर से मिस्टर आर्कराइट
घर की मरम्मत करने आए.
उसके बाद मेरी और जो कुछ
अनूठी चीज़ें खोजने निकले.





जो ज़रा देखो,
मझे क्या
मिला है!



नहीं मेरी, तुम
पहले मेरी चीज़
आकर देखो!

ऐसी अनूठी चीज़
मैंने पहले कभी
नहीं देखी.



अगर चेहरा
इतना बड़ा है
तो शरीर....



....बीस फीट लम्बा होगा!



क्या मैं सपना
देख रही हूँ?





बाद में मैरी ने दुनिया के
अजीब प्राणी नाम की
पुस्तक पढ़ी



वो जिराफ़ है?



....या गोरिल्ला है?



...या मगरमच्छ है?



इंग्लैंड में?

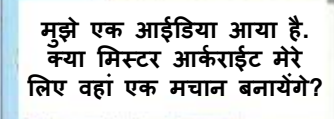


क्या इंग्लैंड में मगरमच्छ होते हैं?

पर मैरी की माँ को उसका
सही जवाब पता नहीं था.



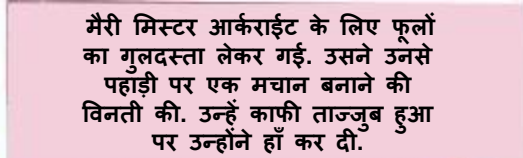
उस पूरी रात मैरी जागी रही.
वो उसे मगरमच्छ को पहाड़ी
से दुकान तक कैसे लाए
उसके बारे में सोचती रही.



मुझे एक आईडिया आया है.
क्या मिस्टर आर्कराइट मेरे
लिए वहां एक मचान बनायेंगे?



तुम
पगला गई
हो!



मैरी मिस्टर आर्कराइट के लिए फूलों
का गुलदस्ता लेकर गई. उसने उनसे
पहाड़ी पर एक मचान बनाने की
विनती की. उन्हें काफी ताज्जुब हुआ
पर उन्होंने हाँ कर दी.



आपका बहुत
शक्रिया
मिस्टर
आर्कराइट.

अगर भगवान
ने तुम्हें अनूठी
चीज़ें खोजने
को बनाया था,
फिर उसने
उन्हें छिपाया
क्यों?

वो मगर-
मच्छ है.

इंग्लैंड
में?

क्या मैरी
वाकई में ऊपर
चढ़ रही है?

बहादुर
हैं!

बेवकफ
हैं!

जब मचान तैयार हुई तब
मैरी उसकी कमज़ोर सीढ़ियों
पर चढ़ी. जब वो ऊपर पहुंची
तो जिस पट्टे पर वो खड़ी
थी वो हिल रहा था.

अर्रे....



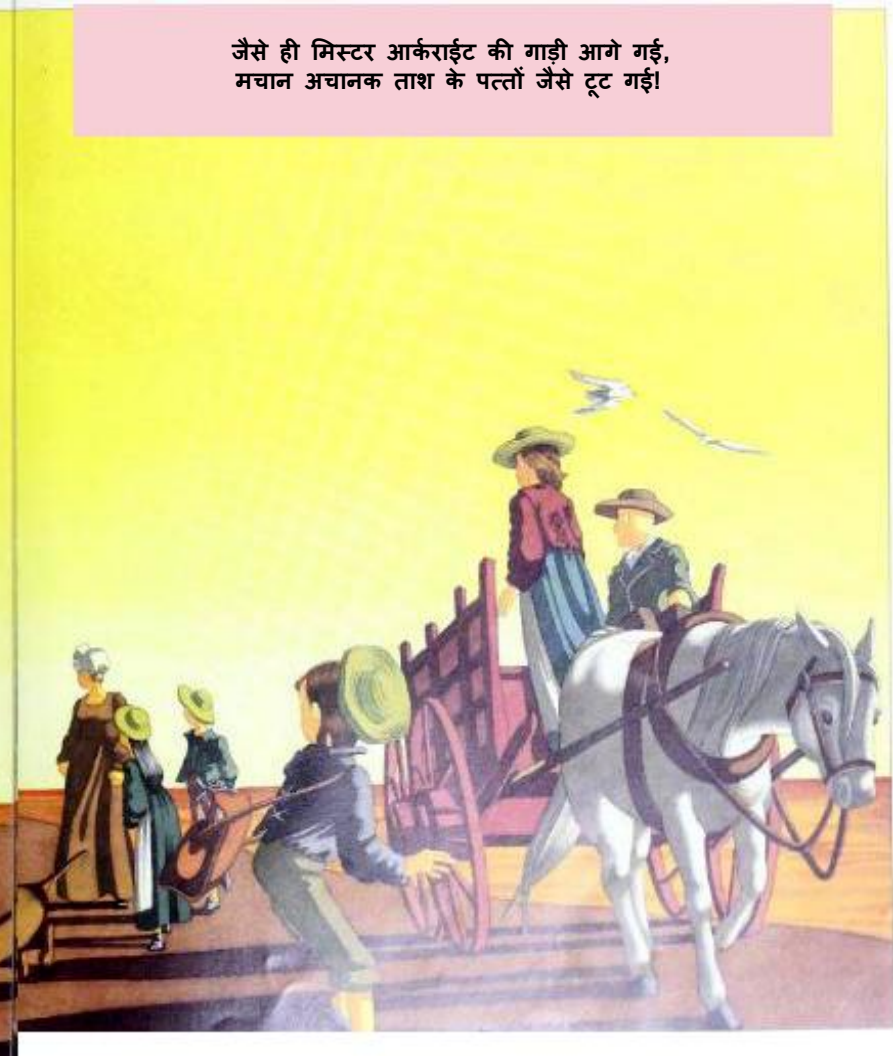
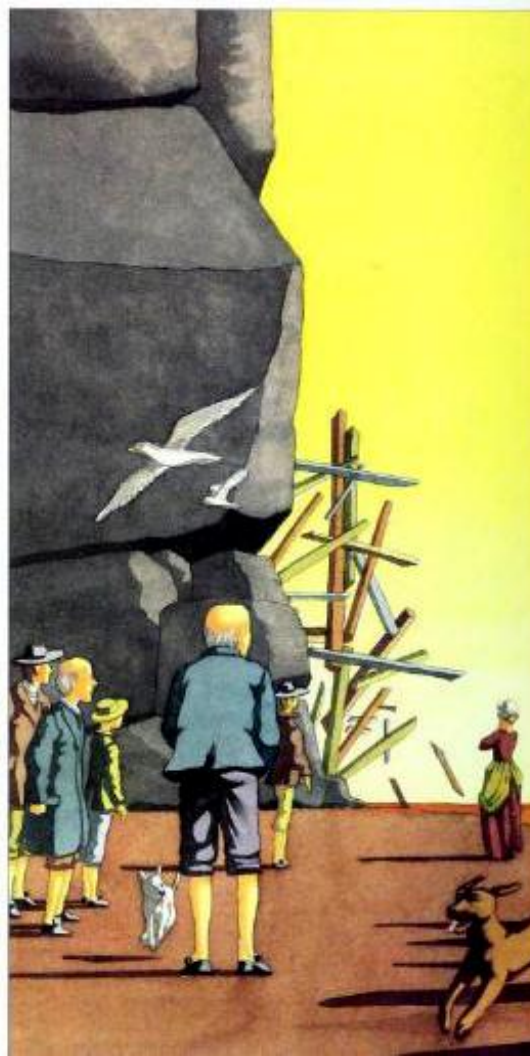
फिर उसने उस प्राणी
की ओर देखा.





मैरी ने धीरे-धीरे उस प्राणी के सभी टुकड़े एक-एक करके मिस्टर आर्कराइट की गाड़ी में भरे. फिर उसने आखिरी बार उत्सुकता से उस छेद को देखा जिसमें वो अनूठा प्राणी न जाने कब से दफन पड़ा था.

जैसे ही मिस्टर आर्कराइट की गाड़ी आगे गई, मचान अचानक ताश के पत्तों जैसे टूट गई!



बहुत बढ़िया
मैरी!

हम
मगरमच्छ
को कब देख
सकते हैं?

शाबाश!

दुकान में पहुँचने के बाद मैरी ने उस अनूठी चीज़ का मुआईना किया.

अच्छा तो यह सांस लेने के लिए नाक का नथुना है.



जब सुबह हुई तो मैरी उस अनूठे प्राणी के पास ही पड़ी सो रही थी....

.... सुबह उसके घर के बाहर लोगों की लम्बी कतार लगी थी.



मैरी और जो ने दर्शकों से उस अनूठे प्राणी को देखने की एक-पेनी फीस ली. फिर कई महीनों बाद उन लोगों ने पहली बार गरमागरम खाना खाया.

घर से आखिरी दर्शक के जाने के तुरंत बाद एक जानी-मानी हस्ती उनके घर आई.

वो थे हेनरी हेनले - लार्ड ऑफ द मैनर.



उन्होंने उस विचित्र प्राणी में बहुत रुचि दिखाई.
उन्होंने यह भी बताया कि वो प्राणी
मगरमच्छ नहीं था....



यह जीवाश्म उस प्राचीन
जीव का है जिसे
वैज्ञानिक **इचथयोसौर**
बलाते हैं. वो जीव
लाखों-करोड़ों साल पहले
समुद्र में रहता था.

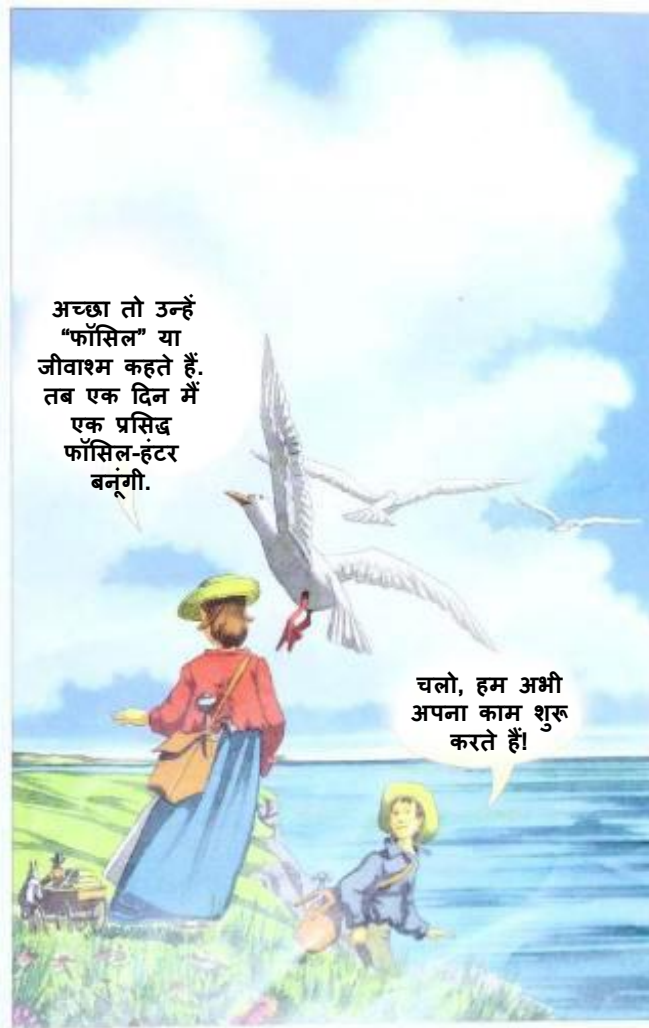
मैरी, तुमने एक बेहद
महत्वपूर्ण खोज की है.

मैरी और जो ने जब
यह सुना तो उन्हें
यकीन नहीं हुआ.

तो हमारी
दुनिया
हजारों साल
नहीं बल्कि
करोड़ों साल
पुरानी है.

और वो प्राणी
वहां उस पहाड़ी
में इतने समय
से दफन था!





मैरी ऐनिंग बहुत प्रसिद्ध हुईं.

इचथयोसौर की खोज के बाद उन्होंने कई और महत्वपूर्ण खोजें कीं - उनमें दो सम्पूर्ण **प्लेसिओसौर** और ब्रिटेन में मिलने वाला पहला **टेरोडाकटील** भी था. बावजूद इसके कि मैरी ऐनिंग कभी स्कूल नहीं गईं और न ही अपने गाँव लाइम रेगिस को छोड़कर कभी बाहर गईं वो एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रसिद्ध जीवाश्म-वैज्ञानिक बनीं. 1847 में 48 वर्ष की आयु में उनका देहांत हुआ.

मैरी के ज़माने में वैज्ञानिक एक नए विचार पर काम कर रहे थे. उनके अनुसार आम सोच के विपरीत, पृथ्वी कहीं ज्यादा पुरानी थी. क्योंकि यह विचार बाइबिल के खिलाफ था इसलिए लोगों को उससे बहुत धक्का भी लगा. मैरी की खोजों ने वो प्रमाण जुटाए जिनकी वैज्ञानिकों को तलाश थी.

1859 में मैरी की मृत्यु के 12 वर्ष बाद चार्ल्स डार्विन की पुस्तक *द ओरिजिन ऑफ़ स्पीशीज बाय नेचुरल सिलेक्शन* का प्रकाशन हुआ. उस पुस्तक के प्रकाशन के बाद धार्मिक और वैज्ञानिक विचारों के बीच खूब वाद-विवाद हुआ. उसका प्रभाव हम आज भी महसूस कर सकते हैं.

मैरी ऐनिंग और उनके जीवाश्मों के बिना विज्ञान का इतिहास काफी अलग हो सकता था.



1810 में इंग्लैंड में **मैरी ऐनिंग** और उसका भाई जो ऐनिंग, लाइम रेगिस की पहाड़ियों में कुछ खोज रहे थे। वो कुछ अनूठे पत्थरों की तलाश कर रहे थे जिसे वो अपने पिता की दुकान में बेंच सकें। अचानक उन्हें पहाड़ी पर एक अजीब सिर के आकर का पत्थर दिखाई दिया। वो प्राणी क्या था उसका उन्हें कोई अंदाज़ नहीं था। क्या वो जिराफ़ हो सकता था? या गोरिल्ला? या फिर एक मगरमच्छ? किसी को उसके बारे में कुछ नहीं पता था। पर मैरी सच्चाई जानने को बेहद उत्सुक थीं – चाहें उसके लिए उसे अपनी जान को जोखिम में क्यों न डालना पड़े!

इस किताब में बड़े खूबसूरत चित्रों में, मैरी ऐनिंग जैसी छोटी लड़की द्वारा एक पूरे डायनासोर की खोज को दर्शाया गया है। मैरी ऐनिंग की इस खोज ने वैज्ञानिक जगत में भी एक बड़ी हलचल मचाई.

